पन्ना-म.प्र.। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर निकाली जा रही रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए पूर्व खनिज मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह व ब्र.कु. सीता बहन।

पणजी-गोवा। गोवा के फर्न होटल में ग्लोबल बुक ऑफ एक्सीलेंस लंदन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ओमशान्ति मीडिया के मुख्य सम्पादक राजयोगी डॉ. ब्र.कु. गंगाधर को ग्लोबल बुक ऑफ एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित करते हुए अभिनेता करन मेहरा। साथ हैं डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके एवं ब्र.कु. वनिता।

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में पर्यावरण दिवस पर आयोजित 'पर्यावरण संरक्षण और हमारा दायित्व' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए वन विकास निगम अध्यक्ष राम सेवक पैकरा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रेम कुमार, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता, ब्र.कु. भावना तथा अन्य।

धमतरी-छ.ग.। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर आयोजित कार्यक्रम में सभी भाई-बहनों से प्रतिज्ञा करवाते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सरिता बहन। साथ हैं ब्र.कु. प्राजक्ता, आर.के. पांडे,प्राचार्य उद्यानिकी कृषि महाविद्यालय फेटीघाटीह, टुमन लाल साहू,इन्कम टैक्स ऑफिसर, पर्यावरण प्रेमी डॉ. सरिता दोशी, समाजसेविका रंजीता साहू एवं कु. मुस्कान।

विदिशा-म.प्र.। मुखर्जी नगर सेवाकेन्द्र पर आयोजित बच्चों के लिए समर कैंप का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट फॉरेस्ट अधिकारी हेमंत यादव, वरिष्ठ समाजसेवी अतुल शाह, लाइन्स क्लब अध्यक्ष अरुण कुमार सोनी, फॉरेस्ट रेंजर पिंकी रघुवंशी, ब्र.कु. रेखा, ब्र.कु. रुकमणी तथा अन्य।

क्या होगा ये सोचने के बजाए... मेरी स्थिति कैसी है ये सोचें...

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका

क्या ये तीन खाते मेरे पास जमा हैं... ये मुझे देखना है...

- गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि जैसे ब्रह्मा बाबा ने अव्यक्त स्थिति द्वारा सेवा की गति को तीव्र किया। ऐसे हम बच्चों की स्थिति द्वारा समय की समाप्ति और सम्पन्नता ये सहज होगा। तो ये फाइनल कार्य तो हमें करना है ना। उसके लिए भी हमें तैयार होना पड़ेगा अचानक के पेपर में। अब आगे पढ़ेंगे...

अच्छा मेरी तैयारी में क्या-क्या तैयारी करनी है मुझे? पहली तैयारी जो हमें करनी है वो है कि कोई भी बात सामने आए तो क्या एक सेकण्ड में हम फुल स्टॉप लगा सकते हैं। और फुल स्टॉप तभी लगा सकते हैं जब मेरे पास फुल स्टॉक पॉजिटिविटी का होगा। अगर मेरे पास फुल स्टॉक नहीं है पॉजिटिविटी का, सकारात्मकता का तो फुल स्टॉप लगाने के बाद भी वापस क्यों, क्या और कैसे ये क्वेश्चन आरम्भ हो जाएंगे।

तो इसीलिए कोई भी क्वेश्चन को समाप्त करने के लिए मेरे पास ज्ञान रत्नों का खजाना इतना चाहिए, शक्तियों का खजाना इतना चाहिए, सद्गुणों का खजाना इतना चाहिए जो सहजता से फुल स्टॉप लगा करके मैं शक्तिस्वरूप स्थिति में स्थित हो सकूं। इसको कहा जाता है- एवररेडी। बातें आयेंगी लास्ट तक भी क्योंकि अचानक और एवररेडी के साथ एक और बात जुड़ती है कि हर चीज़ अति में जानी है, तो ये अति साथ में जुड़ना है।

जैसे बाबा ने कहा कि विकार भी फुल फोर्स में अन्त में सामने आयेंगे, बातें भी फुल फोर्स में आपके सामने आयेंगी। तो जब बातें आनी है, परिस्थिति फुल फोर्स में आनी है क्योंकि माया अपनी अन्तिम दाव चलेगी कि नहीं चलेगी! तो अति में हर चीज़ जानी है और अगर अति में जानी है तो वो बातें आयेंगी लेकिन क्या एक सेकण्ड में फुल स्टॉप लगा करके, सर्व शक्ति सम्पन्न हो करके मैं शक्ति स्वरूप स्थिति में, सद्गुण जो मेरे पास हैं उससे शुभभावना, शुभकामना निरन्तर हर आत्मा के प्रति प्रवाहित करूं, प्रकृति के प्रति प्रवाहित करूं ऐसी मेरी तैयारी है? तो फुल स्टॉप लगाने के लिए फुल स्टॉक मेरे पास जमा होना चाहिए। तभी तो कहेंगे कि हाँ, हम तैयार हैं। तो बाबा हमेशा कहते हैं कि तीन खाते जमा होने चाहिए। कौन-से तीन खाते जमा होने चाहिए?

पहला खाता जमा होना चाहिए स्व-पुरुषार्थ द्वारा प्रालब्ध का खाता। इतना मेरा स्व पुरुषार्थ हो, स्वयं के ऊपर इतना अधिकार हो मेरा, हर कर्मेंद्रियों के ऊपर इतना अधिकार हो कि हर कर्मेंद्रियजीत हो, मायाजीत हो, निद्राजीत हो। तब कहेंगे कि मेरा जमा का खाता बढ़ता जा रहा है स्व-पुरुषार्थ से। तो ऐसी जीत अवस्था क्योंकि बाबा कहते जहाँ जीत, वहाँ जन्म। आपका जन्म वहाँ होगा जितनी आपने जीत पाई है। तो प्रकृतिजीत, मायाजीत, कर्मेंद्रियजीत, निद्राजीत और समय के ऊपर भी विजय। तो ये जीत है! तब वहाँ, राजाई घराने में हमारा जन्म होगा।

दूसरा- पुण्य का खाता। इतना श्रेष्ठ कर्म करो कि जो पुण्य का खाता जमा हो। पुण्य का खाता कहाँ काम आएगा? द्वापरयुग में, जैसे ही सतयुग-त्रेतायुग का प्रालब्ध पूरा हुआ वैसे ही द्वापरयुग में जन्म होगा। तो जितना वहाँ सेवा करके पुण्य कर्म किया है तो उस पुण्य के आधार से, क्योंकि वहाँ जाने के बाद एकदम से मैं पुण्य कर्म करना चालू कर दूं, ऐसा तो नहीं होगा। त्रेतायुग से ही देवताएं नीचे उतरते हैं तो हरेक वैसे ही सम्पन्न अवस्था में होंगे। क्योंकि बाबा कई बार मुरली में कहते हैं सोमनाथ का मंदिर इतना हीरे-जवाहरातों से बनाया तो सोचो उन लोगों के पास स्वयं के लिए कितना धन होगा! लेकिन उस स्टेज में, उस राजाई घराने में जन्म लेने के लिए संगमयुग पर उतना पुण्य कर्म किया होना चाहिए। इसलिए बाबा कई बार कहते हैं कि स्व-पुरुषार्थ और सेवा अन्त तक करना है। स्व-पुरुषार्थ सतयुग-त्रेतायुग में काम आएगा, एक-एक जन्म को फाइनलाइज़्ड करेंगे। लेकिन जो पुण्य किया है, सेवा किया है हमने तो सेवा द्वारा जो पुण्य का खाता जमा किया हुआ है वो द्वापर से काम में आएगा। उस अनुसार ही उस क्वालिटी का जन्म हम प्राप्त करते हैं।

तीसरा है दुआओं का खाता। जो बाबा कहते हैं कि बच्चे दुआएं देते जाओ, दुआएं लेते जाओ। तो ये दुआओं का खाता कहाँ काम आएगा? अन्तिम पेपर का सामना करने के लिए। बातें तो आयेंगी, पेपर तो आयेंगे लेकिन जिसके पास दुआओं का खाता जमा बहुत है तो क्या होगा? बातें मक्खन से बाल की तरह निकल जायेंगी। दुआएं जैसे हमारे लिए कवच हो जाएगा। इसीलिए बाबा कहते कि बच्चे दुआएं भी खूब कमाओ। और दुआएं कैसे कमाते हैं जब आप किसी भी आत्मा को सुख देते हैं, खुशी देते हैं तो उसके अन्दर उस वक्त दुआएं ही निकलती हैं कि भगवान आपको सदा सुखी रखे, भगवान आपको सदा खुश रखे। लेकिन किसके लिए जिसको हमने सुख दिया है, वो आत्मा जब उस सुख की अनुभूति से दुआ देती है तब वो दुआ लगती है। तो ये तीन खाते मेरे में जमा हैं, ये अपने में देखो।

अंबिकापुर-छ.ग.। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़, सरगुजा पुलिस एवं सरगुजा के शैक्षणिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय के सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या बहन, ब्र.कु. दुर्गा, राजेश पाण्डेय,संभागीय सेनानी, शिवकुमार कठौतिया,जिला सेनानी, नवा बिहान नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के संयोजक मंगल पाण्डेय,निदेशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसाइटी, नवा बिहान समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा,मुख्य कार्यकारी छत्तीसगढ़ प्रसार एवं विकास संस्थान, नवा बिहान काउंसलर हिना खान,अध्यक्ष उमंग महिला एवं बाल उत्थान सोसाइटी तथा अन्य।

मुंबई-घाटकोपर(महा.)। अध्यात्म और मीडिया पर आयोजित परिवर्तनकारी संवाद पर मुलाकात के पश्चात् मीडिया के उद्यमी सोनू त्यागी को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए राजयोगी ब्र.कु. निकुंज।

मालिया हाटीना-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र के 33वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में केक कटिंग के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. रूपा, ब्र.कु. मीता, सामाजिक कार्यकर्ता महेन्द्र गांधी, पटेल समाज के अग्रणी देवजी पटेल तथा ब्र.कु. भाई-बहनें।

बैतूल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग एवं खेल प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नैतिक चारित्रिक आध्यात्मिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने के लक्ष्य से 'चाइल्ड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कैंप व राजयोगी किड्स' कार्यक्रम में उपस्थित रहे मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. सोनम,गुजरात,वापी, ब्र.कु. मालती, ब्र.कु. अरुणा, ब्र.कु. हेमलता, स्पोर्ट्स टीचर कमलेश देवकते, रश्मि बाथरे, नेहा डहरिया सहित सभी बच्चों के अभिभावक तथा अन्य।